SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

दया के विषय में बाइबल क्या कहती है? — भाग 2 · स्ट्रॉन्गस नंबरों सहित केजेवी शास्त्रवचन

भाग 2 · मौलिक बाइबिल सिद्धांत पर आधारित एक नया अध्ययन

दया — आधारभूत बाइबिल सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

सुनो। मनुष्यों ने जो भी देवता बनाए हैं, उनकी चापलूसी की जानी चाहिए, उन्हें भुगतान दिया जाना चाहिए, और उन्हें प्रसन्न किया जाना चाहिए। परन्तु जब जीवित परमेश्वर पर्वत पर खड़ा हुआ और उसने हमें अपना नाम बताया, तो उसने गरज से आरम्भ नहीं किया। उसने धमकी से आरम्भ नहीं किया। उसने सबसे पहले, किसी भी और बात से पहले, स्वयं को दयालु कहा। फिर उसने कुछ ऐसा कहा जिस पर विश्वास करना कठिन है: दया केवल वह वस्तु नहीं जो वह करता है। यह वह वस्तु है जिसमें वह आनन्दित होता है। यह उसका आनन्द है — जैसे किसी पिता का आनन्द जब उसका बालक दौड़ता हुआ घर आता है। उसकी दया कोई पुराना भण्डार नहीं जो घटता जा रहा हो। यह प्रत्येक भोर, तुम्हारे जागने से पहले ही, ताज़ा करके रखी जाती है, क्योंकि यह ऐसी सच्चाई से बहती है जो कभी असफल नहीं हो सकती। अब सुनो कि वह दया कैसे मुड़कर तुम्हारी ओर देखती है। जो परमेश्वर दया में आनन्दित होता है, वह तुमसे उसी वस्तु से प्रेम करने को कहता है जिससे वह प्रेम करता है — कि तुम अपने भाई पर उसी प्रकार दया दिखाओ जैसे वह तुम पर दिखाता है। वह तुम्हारे भेंटों का भूखा नहीं है जबकि तुम अपने अपराध को छिपाए रखते हो। वह हज़ार होमबलियों की अपेक्षा एक ईमानदार, टूटे हुए हृदय को अधिक चाहेगा। तो एक अपराधी मनुष्य कैसे भीतर आता है? चढ़ाई करके नहीं। इसके लिए परिश्रम करके नहीं। स्वीकार करके — पाप को ढाँकने के बजाय उसे अपना मानकर — जैसे वह टूटा हुआ मनुष्य जो दूर खड़ा रहा, इतना लज्जित कि अपनी आँखें ऊपर भी नहीं उठा सका, और केवल दया माँगी। वह मनुष्य परमेश्वर के साथ धर्मी ठहरकर घर गया, जबकि धार्मिक मनुष्य खाली हाथ घर गया। अब एक ऐसा सिंहासन है जिसके पास तुम साहस के साथ आ सकते हो — दण्डित होने के लिए नहीं, बल्कि सहायता पाने के लिए। और जो दया तुम वहाँ पाते हो, वह तुम्हारा हाथ मिलाकर चली नहीं जाती। वह तुम्हारे पीछे-पीछे चलती है। हर मार्ग पर, हर गिरावट में, तुम्हारे जीवन के सारे दिन वह तुम्हारे पीछे चलती है — पूरी तरह घर तक, और घर उसका भवन है, और वह द्वार कभी बन्द नहीं होता। यही वह परमेश्वर है जिसे यह अध्ययन तुम्हारे सामने प्रस्तुत करता है। इसे खोज निकालो।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. जब परमेश्वर ने अपना नाम प्रगट किया, तो उसने सबसे पहले क्या नाम लिया — और वह किस बात में आनन्दित होता है?
2. यहोवा मनुष्य से क्या माँग करता है — और जिस मनुष्य ने पाप किया है, वह दया कैसे प्राप्त करता है?
3. दया अभी मनुष्य से कहाँ मिलती है, और वह उसके पीछे कहाँ तक चलेगी?

पहले से रखी गई नींव — दया

दया (खेसेद) = वह दया जो वाचा के संबंध से बहती है (उत्पत्ति 19:29; भजन संहिता 136)।

RACHAM = वह गहरा प्रेम जो बड़े से छोटे की ओर प्रवाहित होता है (उत्पत्ति 32:9-12)।

परमेश्वर की दया मनुष्य को उतनी दूर तक ले जाएगी जितनी दूर वह जाने को तैयार है — और तब तक बनी रहेगी जब तक वह परमेश्वर की प्रेमपूर्ण देखभाल के विषय में पूर्ण रूप से आश्वस्त न हो जाए (उत्पत्ति 19:17-22, सोअर में लूत)।

कोई भी मनुष्य समस्त करुणा में से नन्हीं से नन्हीं करुणा के योग्य भी नहीं है — करुणा एक वरदान है, और वरदान धन्यवाद लाता है (उत्पत्ति 32:10)।

दया का चरम लक्ष्य उद्धार है — परमेश्वर के प्रेम की पूर्णता (उत्पत्ति 32:11-12)।

हे यहोवा का धन्यवाद करो — क्योंकि उसकी करुणा सदा की है (भजन संहिता 136:1-26)।

> *यह भाग 2 गवाहों के एक नए समूह से इसी सत्य की पुष्टि करता है।*

ग्रीक मुख्य शब्द

“दया” — **G1656 eleos** — करुणा, दया — दयालुता जो दुःखी व्यक्ति की ओर झुकती है और कार्य करती है

परमेश्वर की दया कभी केवल एक अनुभूति नहीं होती; वह गतिशील है — वह प्रतिज्ञा की जाती है, पूरी की जाती है, प्राप्त की जाती है, और एक सिंहासन पर पाई जाती है

“दया करना” — **G2433 hilaskomai** — कृपालु होना, प्रायश्चित करना — दयासन के शब्द-परिवार से संबंधित शब्द

कर संग्रहकर्ता की सम्पूर्ण प्रार्थना इस एक शब्द पर निर्भर है: उसने माँगा कि उससे उस स्थान पर भेंट हो जहाँ रक्त है — और वह धर्मी ठहराया जाकर नीचे गया

“दयाएँ” — **G3628 oiktirmos** — दया, करुणाएँ — बहुवचन में गुणा की गई दया

परमेश्वर एक दया का पिता नहीं, परन्तु दयाओं का पिता है — जो प्रति प्रभात नई हैं

हिब्रू मुख्य शब्द

“दया” — **H2617 chesed** — वाचा की करुणा, स्थिर दया

वह शब्द जो नींव से आगे बढ़ता आया है — वह दया जो वाचा के संबंध से बहती है और रुक नहीं सकती

“दयालु” — **H7349 rachum** — दया और करुणा से परिपूर्ण; उसी मूल से जिससे गर्भ (rechem) निकला है

जब परमेश्वर अपना ही नाम घोषित करते हैं, तो यह गर्भ-गहरा शब्द सबसे पहले आता है — बड़े का छोटे के प्रति गहरा प्रेम।

“क्षमा करता है” — **H5375 nasa** — उठाना, वहन करना, दूर ले जाना

दया पाप की उपेक्षा नहीं करती — वह उसे पापी पर से उठाकर दूर ले जाती है (बलि के बकरे का अपना ही शब्द, लैव्यव्यवस्था 16:22)

“दया करो” — **H2603 chanan** — दयालु होना, अपने से नीचे किसी के प्रति कृपापूर्वक झुकना या नत होना

बड़े पाप के बाद दाऊद की पुकार — अनुग्रह जो एक दोषी मनुष्य तक पूरी तरह से झुक जाता है

खुलने वाला लंगर

मीका 7:18 तेरे समान ऐसा परमेश्वर कहाँ है जो अधर्म को क्षमा करे और अपने निज भाग के बचे हुओं के अपराध को ढाँप दे? वह अपने क्रोध को सदा बनाए नहीं रहता, क्योंकि वह करुणा से प्रीति रखता है। **[H2617 chesed ⚑] [H5375 nasa ⚑]**

तेरे समान ईश्वर कौन है? → वह अपना क्रोध सर्वदा नहीं रखता + वह दया से प्रसन्न होता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ "pardoneth" इब्रानी शब्द nasa (H5375, उठाना) है: उठाना, वहन करना, उठा ले जाना। दया ऐसा व्यवहार नहीं करती जैसे पाप वहाँ है ही नहीं — यह पाप को मनुष्य पर से उठा लेती है और उसे दूर ले जाती है। बलि का बकरा उनके सारे पापों को इसी शब्द के साथ दूर ले गया (लैव्यव्यवस्था 16:22)।)

I. नाम की घोषणा — दयालु और अनुग्रहकारी

A. निर्गमन 34:6 और यहोवा उसके सामने होकर यह प्रचार करता हुआ चला, “यहोवा, यहोवा, परमेश्वर दयालु और अनुग्रहकारी, कोप करने में धीरजवन्त, और अति करुणामय और सत्य **[H5375 nasa ⚑] [H2617 chesed ⚑] [H2617 chesed ⚑] [H2587 channun ⚑] [H7349 rachum ⚑]** (7) हजारों पीढ़ियों तक निरन्तर करुणा करनेवाला, अधर्म और अपराध और पाप को क्षमा करनेवाला है, परन्तु दोषी को वह किसी प्रकार निर्दोष न ठहराएगा, वह पितरों के अधर्म का दण्ड उनके बेटों वरन् पोतों और परपोतों को भी देनेवाला है।”

यहोवा उसके सामने से होकर गुज़रा और उसने प्रचार किया → दयालु और अनुग्रहकारी, विलम्ब से क्रोध करनेवाला, और अति करुणामय और सत्य + हज़ारों पीढ़ियों तक करुणा रखनेवाला, अधर्म और अपराध और पाप का क्षमा करनेवाला।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — जब परमेश्वर अपना ही नाम घोषित करता है, तो "दयालु" — रचूम (H7349, दयालु), जो गर्भ-मूल शब्द है — सबसे पहले आता है, बाकी सब से पहले। दया परमेश्वर के नाम का मुख्य द्वार है।)

B. **भजन संहिता 86:15** परन्तु प्रभु दयालु और अनुग्रहकारी परमेश्वर है, तू विलम्ब से कोप करनेवाला और अति करुणामय है। **[H2617 chesed ⚑] [H7349 rachum ⚑]**

तू करुणा से भरा हुआ और अनुग्रहकारी परमेश्वर है → दया और सत्य में अत्यंत महान है।

C. **भजन संहिता 86:5** क्योंकि हे प्रभु, तू भला और क्षमा करनेवाला है, और जितने तुझे पुकारते हैं उन सभी के लिये तू अति करुणामय है। **[H2617 chesed ⚑]**

भला, और क्षमा करने को तत्पर → तेरा नाम लेनेवाले सब लोगों पर दया करने में महान।

D. **नहेम्याह 9:17** और आज्ञा मानने से इन्कार किया, और जो आश्चर्यकर्म तूने उनके बीच किए थे, उनका स्मरण न किया, वरन् हठ करके यहाँ तक बलवा करनेवाले बने, कि एक प्रधान ठहराया, कि अपने दासत्व की दशा में लौटे। परन्तु तू क्षमा करनेवाला अनुग्रहकारी और दयालु, विलम्ब से कोप करनेवाला, और अति करुणामय परमेश्वर है, तूने उनको न त्यागा। **[H2617 chesed ⚑] [H7349 rachum ⚑]**

उन्होंने अपनी गर्दन कठोर कर ली → परन्तु तू क्षमा करने को तैयार परमेश्वर है + उन्हें न छोड़ा।

E. **2 कुरिन्थियों 1:3** हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर, और पिता का धन्यवाद हो, जो दया का पिता, और सब प्रकार की शान्ति का परमेश्वर है। **[G3628 oiktirmos ⚑]**

धन्य हो परमेश्वर = दयाओं का पिता, और सब शान्ति का परमेश्वर।

II. दया की माप — प्रत्येक भोर नई, आकाश के समान ऊंची

A. **विलापगीत 3:22** हम मिट नहीं गए; यह यहोवा की महाकरुणा का फल है, क्योंकि उसकी दया अमर है। **[H7356 racham ⚑] [H2617 chesed ⚑]** (23) प्रति भोर वह नई होती रहती है; तेरी सच्चाई महान है।

नाश नहीं हुए, क्योंकि उसकी दयाएं घटती नहीं → प्रति भोर नई होती हैं + तेरी सच्चाई महान है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — "करुणाएँ" इब्रानी शब्द राखम है, जो रेख़ेम से जुड़ा है, अर्थात कोख के लिए शब्द: दया जो एक माँ के प्रेम जितनी गहरी है, ऊपर वाले से नीचे वाले तक — और यह कभी समाप्त नहीं होती, और यह प्रतिदिन प्रातःकाल नई होती है।)

B. **भजन संहिता 103:8** यहोवा दयालु और अनुग्रहकारी, विलम्ब से कोप करनेवाला और अति करुणामय है (भज. 86:15, भज. 145:8) **[H2617 chesed ⚑] [H2617 chesed ⚑] [H7349 rachum ⚑]** (9) वह सर्वदा वाद-विवाद करता न रहेगा, न उसका क्रोध सदा के लिये भड़का रहेगा। (10) उसने हमारे पापों के अनुसार हम से व्यवहार नहीं किया, और न हमारे अधर्म के कामों के अनुसार हमको बदला दिया है। (11) जैसे आकाश पृथ्वी के ऊपर ऊँचा है, वैसे ही उसकी करुणा उसके डरवैयों के ऊपर प्रबल है। (12) उदयाचल अस्ताचल से जितनी दूर है, उसने हमारे अपराधों को हम से उतनी ही दूर कर दिया है।

हमारे साथ हमारे पापों के अनुसार व्यवहार नहीं किया → जैसे आकाश पृथ्वी से ऊंचा है, वैसा ही उसकी दया महान है + जैसे पूर्व पश्चिम से दूर है, वैसे ही उसने हमारे अपराधों को हमसे दूर किया है।

C. **मीका 7:19** वह फिर हम पर दया करेगा, और हमारे अधर्म के कामों को लताड़ डालेगा। तू उनके सब पापों को गहरे समुद्र में डाल देगा। **[H7355 racham ⚑]**

वह फिर हमारी ओर फिरेगा, वह हम पर दया करेगा → उनके सारे पाप → समुद्र की गहराइयों में डाल दिए जाएंगे।

D. **व्यवस्थाविवरण 4:31** क्योंकि तेरा परमेश्वर यहोवा दयालु परमेश्वर है, वह तुम को न तो छोड़ेगा और न नष्ट करेगा, और जो वाचा उसने तेरे पितरों से शपथ खाकर बाँधी है उसको नहीं भूलेगा। **[H7349 rachum ⚑]**

यहोवा तेरा परमेश्वर दयालु परमेश्वर है → वह तुझे न तो त्यागेगा, और न उस वाचा को भूलेगा।

III. दया आवश्यक है — दयालु परमेश्वर मनुष्य से क्या मांगता है

A. **मीका 6:8** हे मनुष्य, वह तुझे बता चुका है कि अच्छा क्या है; और यहोवा तुझ से इसे छोड़ और क्या चाहता है, कि तू न्याय से काम करे, और कृपा से प्रीति रखे, और अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चले? (मत्ती 23:23, यशा. 1:17) **[H2617 chesed ⚑]**

यहोवा तुझसे क्या चाहता है → न्याय करे, अनुग्रह करने से प्रीति रखे, और अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चले।

B. **होशे 6:6** क्योंकि मैं बलिदान से नहीं, स्थिर प्रेम ही से प्रसन्न होता हूँ, और होमबलियों से अधिक यह चाहता हूँ कि लोग परमेश्वर का ज्ञान रखें। (मत्ती 9:13, मत्ती. 12:7, मर. 12:33) **[H2617 chesed ⚑]**

क्योंकि मैं बलिदान से नहीं, स्थिर प्रेम ही से प्रसन्न होता हूँ → और होमबलियों से अधिक यह चाहता हूँ कि लोग परमेश्वर का ज्ञान रखें। (मत्ती 9:13, मत्ती. 12:7, मर. 12:33.

C. **नीतिवचन 3:3** कृपा और सच्चाई तुझ से अलग न होने पाएँ; वरन् उनको अपने गले का हार बनाना, और अपनी हृदयरूपी पटिया पर लिखना। (2 कुरि. 3:3) **[H2617 chesed ⚑]** (4) तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों का अनुग्रह पाएगा, तू अति प्रतिष्ठित होगा। (लूका 2:52, रोम. 12:17, 2 कुरि. 8:21)

दया और सत्य को अपने गले में बाँध ले, उन्हें अपने हृदय की पटिया पर लिख ले → तब तू अनुग्रह पाएगा।

D. **जकर्याह 7:9** खराई से न्याय चुकाना, और एक दूसरे के साथ कृपा और दया से काम करना **[H7356 racham ⚑] [H2617 chesed ⚑]**

सच्चा न्याय करो → और अपने अपने भाई से दया और करुणा करो।

IV. दया प्राप्त हुई — अंगीकार करो, पुकारो, हियाव से आओ

A. नीतिवचन 28:13 जो अपने अपराध छिपा रखता है, उसका कार्य सफल नहीं होता, परन्तु जो उनको मान लेता और छोड़ भी देता है, उस पर दया की जाएगी। (1 यूह. 1:9) **[H7355 racham ⚑]**

जो अपने पापों को छिपाता है वह सफल नहीं होगा; परन्तु जो उन्हें मान लेता और छोड़ देता है → उस पर दया की जाएगी।

B. भजन संहिता 51:1 हे परमेश्वर, अपनी करुणा के अनुसार मुझ पर अनुग्रह कर; अपनी बड़ी दया के अनुसार मेरे अपराधों को मिटा दे। (लूका 18:13, यशा. 43:25) **[H7356 racham ⚑] [H2617 chesed ⚑] [H2603 chanan ⚑]**

हे परमेश्वर, मुझ पर दया कर → अपनी अपार करुणा के अनुसार मेरे अपराधों को मिटा दे।

C. लूका 18:13 “परन्तु चुंगी लेनेवाले ने दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँख उठाना भी न चाहा, वरन् अपनी छाती पीट-पीट कर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पापी पर दया कर!’ (भज. 51:1) **[G2433 hilaskomai ⚑]** (14) मैं तुम से कहता हूँ, कि वह दूसरा नहीं; परन्तु यही मनुष्य धर्मी ठहरा और अपने घर गया; क्योंकि जो कोई अपने आपको बड़ा बनाएगा, वह छोटा किया जाएगा; और जो अपने आपको छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

हे परमेश्वर, मुझ पापी पर दया कर → यह मनुष्य धर्मी ठहरकर अपने घर गया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ "दयालु हो" सामान्य दया वाला शब्द नहीं है। यह हिलास्कोमाई (G2433, दयालु हो) है — मर्सी-सीट (करुणास्थान) वाला शब्द, प्रायश्चित वाला शब्द। उस चुंगी लेने वाले ने परमेश्वर से विनती की कि वह उससे वैसे ही मिले जैसे परमेश्वर छिड़के हुए लहू के ऊपर इस्राएल से मिला था — और वह मनुष्य धर्मी ठहरकर अपने घर गया।)

D. इब्रानियों 4:16 इसलिए आओ, हम अनुग्रह के सिंहासन के निकट साहस बाँधकर चलें, कि हम पर दया हो, और वह अनुग्रह पाएँ, जो आवश्यकता के समय हमारी सहायता करे। **[G1656 eleos ⚑]**

अनुग्रह के सिंहासन के निकट साहस के साथ आएं → दया प्राप्त करें, और आवश्यकता के समय सहायता के लिए अनुग्रह पाएं।

दो के मुख — वही नाम, दो और एक तीसरे के मुख में स्थापित

योएल 2:13 अपने वस्त्र नहीं, अपने मन ही को फाड़कर” अपने परमेश्वर यहोवा की ओर फिरो; क्योंकि वह अनुग्रहकारी, दयालु, विलम्ब से क्रोध करनेवाला, करुणानिधान और दुःख देकर पछतानेवाला है। **[H2617 chesed ⚑] [H7349 rachum ⚑]**

अपने हृदय को फाड़ो, और यहोवा की ओर फिरो → क्योंकि वह अनुग्रहकारी और दयालु, विलम्ब से क्रोध करनेवाला है।

योना 4:2 और उसने यहोवा से यह कहकर प्रार्थना की, “हे यहोवा जब मैं अपने देश में था, तब क्या मैं यही बात न कहता था? इसी कारण मैंने तेरी आज्ञा सुनते ही तर्शीश को भाग जाने के लिये फुर्ती की; क्योंकि मैं जानता था कि तू अनुग्रहकारी और दयालु परमेश्वर है, और विलम्ब से कोप करनेवाला करुणानिधान है, और दुःख देने से प्रसन्न नहीं होता। **[H2617 chesed ⚑] [H7349 rachum ⚑]**

मैं जानता था कि तू करुणामय और दयालु परमेश्वर है → इसलिए मैं भाग गया।

एक ही नाम, दो हृदय: योएल → अपना हृदय फाड़ो, और यहोवा की ओर फिरो; योना → मैं तो पहिले ही तर्शीश को भाग गया था।

भजन संहिता 145:8 यहोवा अनुग्रहकारी और दयालु, विलम्ब से क्रोध करनेवाला और अति करुणामय है। **[H2617 chesed ⚑] [H7349 rachum ⚑]**

यहोवा अनुग्रहकारी + करुणा से भरपूर + क्रोध करने में धीमा + बड़ी दया वाला है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दो गवाहों के मुख से वचन स्थिर होता है, और यहाँ तीसरा मुख उसकी पुष्टि करता है। तिहरी डोरी जल्दी नहीं टूटती। वह भविष्यद्वक्ता जो फिरा, वह भविष्यद्वक्ता जो भाग गया, और वह भजन जो गाया गया, सभी एक ही नाम की घोषणा करते हैं। नाम स्थिर रहता है, चाहे उसे सुनने वाले मनुष्य का हृदय कैसा भी हो।)

छाया और पूर्णता

Shadow मीका 7:20 तू याकूब के विषय में वह सच्चाई, और अब्राहम के विषय में वह करुणा पूरी करेगा, जिसकी शपथ तू प्राचीनकाल के दिनों से लेकर अब तक हमारे पितरों से खाता आया है। (लूका 1:54,55, रोम. 15:8,9) **[H2617 chesed ⚑]**

तू अब्राहम पर की हुई दया दिखाएगा = हमारे बापदादों के साथ पुराने दिनों से की गई शपथ को पूरा करेगा।

Fulfillment लूका 1:72 कि हमारे पूर्वजों पर दया करके अपनी पवित्र वाचा का स्मरण करे **[G1656 eleos ⚑]**

हमारे पूर्वजों पर प्रतिज्ञा की हुई दया को पूरा करने के लिये -- अपनी पवित्र वाचा को स्मरण करने के लिये।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पुराने दिनों से जो दया शपथपूर्वक कही गई थी, वही दया मसीह के आने पर पूरी की गई। यह वाचा की दया है, जो अक्षरशः निभाई गई।)

समापन

भजन संहिता 103:17 परन्तु यहोवा की करुणा उसके डरवैयों पर युग-युग, और उसका धर्म उनके नाती-पोतों पर भी प्रगट होता रहता है, (लूका 1:50) **[H2617 chesed ⚑]**

परन्तु यहोवा की करुणा उसके डरवैयों पर युग-युग.

भजन संहिता 23:6 निश्चय भलाई और करुणा जीवन भर मेरे साथ-साथ बनी रहेंगी; और मैं यहोवा के धाम में सर्वदा वास करूँगा।

[H2617 chesed ⚑]

निश्चय भलाई और करुणा जीवन भर मेरे साथ-साथ बनी रहेंगी → और मैं यहोवा के धाम में सर्वदा वास करूँगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ पूरा अध्ययन एक ही पंक्ति में है: जब परमेश्वर ने अपना नाम बताया, तो उसने कुछ और कहने से पहले "दयावान" कहा, और इसके बाद जो कुछ आता है वह उसी पहले शब्द का अपने आप को प्रकट करना है। दया कोई मनोदशा नहीं है जो आती और चली जाती है। यह हर सुबह नई है, आकाश के पृथ्वी से ऊँचा होने से भी ऊँची है, और यह पाप को उतना ही दूर कर देती है जितना पूर्व पश्चिम से दूर है। जो परमेश्वर इससे इतना भरा हुआ है, वह उस मनुष्य से जिसे उसने बनाया, केवल एक ही बात माँगता है — कि वह उस चीज़ से प्रेम करे जिससे वह प्रेम करता है, और इसे अपने भाई पर दिखाए। जब कोई अपराधी अपने पाप को छिपाना नहीं चाहता बल्कि उसे मान लेता है, और चढ़ता हुआ नहीं परन्तु रोता हुआ आता है, तो दया उससे मिलती है — और यह उसे द्वार पर छोड़कर नहीं जाती। यह उसके जीवन के सारे दिनों तक उसके पीछे चलती रहती है, जब तक कि वह उसे यहोवा के घर तक न ले आए। जो दया अनादिकाल से अनंतकाल तक है, वह उस मनुष्य को, जिसे उसने आरम्भ किया था, समाप्त किए बिना नहीं रुकती।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. मीका 7:18 — वह अपना कोप सर्वदा किए नहीं रहता, क्योंकि वह इस बात में प्रसन्न होता है:
a) बलिदान
b) दया
c) होमबलि

2. विलापगीत 3:22-23 — उसकी दया घटती नहीं; वे प्रति:
a) सुबह
b) पीढ़ी
c) दिन

3. मीका 6:8 — यहोवा तुझसे क्या माँगता है, केवल यह कि तू न्याय करे, और दया से प्रेम रखे, और:
a) होमबलि चढ़ाना
b) उन्हें अपने गले में बाँध ले
c) अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चलना

4. नीतिवचन 28:13 — परन्तु जो कोई उन्हें मान लेता और छोड़ देता है, वह पाएगा:
a) समृद्ध न होगा
b) दया करना
c) अनुग्रह पाना

5. इब्रानियों 4:16 — अनुग्रह के सिंहासन के निकट साहस के साथ आएँ, कि हम:
a) दूसरे की अपेक्षा धर्मी ठहरना
b) यहोवा के भवन में वास करना
c) दया प्राप्त करें, और सहायता के लिये अनुग्रह पाएं

6. भजन संहिता 103:11 — क्योंकि जैसा आकाश पृथ्वी से ऊंचा है, वैसे ही उसकी दया उन पर महान है जो:
a) उन से जो उस से डरते हैं
b) उसकी विरासत का शेष भाग
c) उन सब पर जो तुझे पुकारते हैं

7. लूका 18:13-14 — हे परमेश्वर, मुझ पापी पर दया कर: मैं तुम से कहता हूं, यह मनुष्य अपने घर गया:
a) महिमामय
b) नीचा किया गया
c) धर्मी ठहराया गया

उत्तर कुंजी: 1-b, 2-a, 3-c, 4-b, 5-c, 6-a, 7-c

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

छाया कैसे प्रकाश लाती है: पर्वत पर बोला गया नाम — दयालु और अनुग्रहकारी (निर्गमन 34:6) — वह छाया थी। वही दया जो मसीह के आने पर प्रकट हुई (लूका 1:72) वह प्रकाश है। जो नाम परमेश्वर ने एक बार बादल में घोषित किया, उसे उसने अंततः एक मुख में दिखाया।

नई वाचा इसे कैसे स्पष्ट करती है: व्यवस्था के अधीन उसकी दया हज़ारों के लिये रखी गई थी और अब्राहम से शपथ खाई गई थी। मसीह में वह शपथ खाई गई दया पूरी की जाती है, और अनुग्रह का एक सिंहासन खोला जाता है जहाँ कोई भी मनुष्य निडर होकर आ सकता है (इब्रानियों 4:16)। वाचा की दया एक खुला द्वार बन गई।

शब्द कैसे मायने रखते हैं: नाम में "दयालु" रचूम (H7349, दयालु) है, जो गर्भ-शब्द है, और यह सबसे पहले आता है। "क्षमा करनेवाला" नासा (H5375, उठाना) है, अर्थात उठाकर दूर ले जाना। चुंगी लेनेवाले के होठों पर "दया कर" हिलास्कोमाई (G2433, दया कर) है, जो प्रायश्चित-स्थान का शब्द है। ये शब्द स्वयं भीतर आने का मार्ग प्रचार करते हैं।

यह यहूदी और अन्यजाति दोनों को किस प्रकार स्पर्श करता है: इस्राएल के पूर्वजों से जिस दया की प्रतिज्ञा की गई थी, और एक तिरस्कृत चुंगी लेनेवाले ने जिस दया के लिए गिड़गिड़ाकर दुहाई दी, वह एक ही दया है (लूका 1:72; 18:13)। दया कभी वंश या योग्यता के द्वारा बंद नहीं हुई — जो कोई अंगीकार करता और उसे छोड़ देता है, वह उसे पाता है (नीतिवचन 28:13)।

यह आप पर कैसे लागू होता है: चुंगी लेनेवाले के मार्ग से आओ — न चढ़ते हुए, न प्रदर्शन करते हुए, परन्तु अंगीकार करते हुए। जिस पाप को तुम छिपाना चाहते हो उसे प्रकट करो, और जिसे तुम प्रकट करते हो उसे दया ढांप लेगी। और एक बार जब वह तुम्हें मिल जाए, तो वह तुम्हारे साथ घर तक चली जाती है।

इसका अनन्तकाल के लिए क्या अर्थ है: भलाई और दया इस जीवन के सारे दिनों भर साथ-साथ चलती रहती हैं, और यह मार्ग यहोवा के धाम में सदा के लिए समाप्त होता है (भजन संहिता 23:6)। यह दया अनादिकाल से अनादिकाल तक है (भजन संहिता 103:17) — जब तक वह तुम्हें भीतर न ले आए, तब तक यह न चूकती है, न समाप्त होती है।

रैबिट ट्रेल: अनुग्रह का सिंहासन जहाँ दया प्राप्त होती है (इब्रानियों 4:16) बाहा के भीतर दया के आसन की ओर खुलता है — जिसे लिविंग इट आउट अध्ययन में आगे देखा गया है (निर्गमन 25:17-22; इब्रानियों 9:5)।

संभावित रहस्योद्घाटन: कर वसूलने वाले का "हे परमेश्वर, मुझ पर दया कर" शब्द दया के लिए सामान्य शब्द नहीं है — यह प्रायश्चित के स्थान का शब्द है, प्रायश्चित का शब्द है। उसने परमेश्वर से विनती की कि वह उससे लहू के स्थान पर मिले, और वह धर्मी ठहरकर अपने घर गया। दया का सदैव एक मिलन स्थान रहा है। (मेरे व्यक्तिगत विचार)

उद्धार पाने के लिए आपको क्या करना चाहिए?

> *हमारे बाइबल अध्ययन को देखिए — "मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए"*

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).